कपास का निर्यात

@4075. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री मातंग सिंह :
श्री वीरेन जे० शाह :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1992-93 के दौरान देश में कपास का उत्पादन आवश्यकता से अधिक होने का अनुमान है ;

(ख) यदि हां, तो कपास के उत्पादन में कितनी वृद्धि होने की संभावना है और गत वर्ष के दौरान देश में कपास का शेष भंडार कितना था ;

(ग) क्या सरकार ने देश में कपास के आवश्यकता से अधिक उत्पादन के तथ्य को ध्यान में रखते हुये कपास के निर्यात के संबंध में निर्णय लिया है; और

(घ) यदि हां, तो इसके निर्यात का क्या लक्ष्य है और क्या सरकार ने इस क्षेत्र में एकाधिकार को समाप्त करके निर्यात दायित्वों का विकेन्द्रीयकरण करने का निर्णय लिया है ; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : (क) जी, हां।

(ख) कपास सलाहकार बोर्ड ने 27-1-93 को हुई अपनी बैठक में वर्ष 1992-93 के लिये कपास बजट का अनुमान निम्न प्रकार से लगाया है:-

आंकड़े लाख गांठ में--प्रत्येक गांठ 170 किग्रा०

आरंभिक स्टाक	32.78
फसल	122.00 से 124.00
आयात	शून्य
कुल	154.78 से 156.78
मांग	
मिल खपत	105.00
गैर-मिल खपत	8.00
27-1-93 तक निर्यात	9.955
कुल :	122.955
अतिशेष :	31.825 से 33.825 तक

(ग) जी, हां :

(घ) कपास के निर्यात के लिये कोई निर्यात लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है । सरकार की निर्यात नीति प्रत्येक कपास मौसम के आरम्भ में न्यूनतम 5 लाख गांठ का निर्यात करने की है जोकि फसल के विस्तृत प्राक्कलन उपलब्ध होने के बाद समायोजित करने के अध्यधीन होता है । देश में कपास के निर्यात का कोई एकाधिकार नहीं है। सरकार ने अभी तक विभिन्न संस्थानों की निर्यात के लिये कपास की 14.955 लाख गांठें रिलीज की हैं ।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय वस्त्र निगम के शोरूम

4076. **श्रीमती सत्या बहिन :**
श्रीमती कैलाशपति :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय वस्त्र निगम के कितने शोरूम विक्रय केन्द्र हैं अ

@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न 3135, 19 मार्च, 1993 से स्थानांतरित ।